Research Paper E-ISSN NO : 2455-295X | VOLUME : 9 | ISSUE : 3 | SPECIAL ISSUE MARCH-2023

पर्यटन पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव : जोधपुर के संदर्भ में संक्षिप्त अध्ययन

मनीषा	शोधार्थी, भूगोल विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान
अर्जुन लाल मीणा	सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान

ABSTRACT:

कोविड-19 महामारी का फैलाव संपूर्ण मानव जाति के लिए घातक सिद्ध हुआ। लॉकडाउन की विभिन्न विधियों के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट आने से आर्थिक क्षति, चिकित्सा व स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर पड़े अत्यधिक दबाव के कारण स्वास्थ्य सुविधाएं समय रहते उपलब्ध ना होने से जनहानि हुई। यातायात व पर्यटन उद्योग को कोविड-19 महामारी के फैलाव ने सर्वाधिक क्षतिग्रस्त किया। इस प्रकार मानव के सभी पक्षों जैसे:- शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, पारिवारिक व सामाजिक पक्षों हेतु अभिशाप सिद्ध हुआ। पर सिक्के का दूसरा पहलू भी है जैसे मानव जाति पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव नकारात्मक रहा, वहीं प्रकृति व पर्यावरण के लिए इस महामारी का प्रभाव सकारात्मक रहा। पर्यावरण प्रदूषण में कमी तथा लॉकडाउन की अवधि में प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन पर सीमित समय के लिए लगे प्रतिबंध आदि इस महामारी के पर्यावरण सकारात्मक प्रभाव रहे। किंतु क्षतिग्रस्त हुए पर्यटन उद्योग के पुनरुत्थान की आवश्यकता है तथा सतत विकास के अंतर्गत सतत पर्यटन के विकास पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। प्रस्तुत शोध पत्र में जोधपुर जिले के संदर्भ में पर्यटन पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव का संक्षिप्त अध्ययन किया गया है। सतत पर्यटन के दृष्टिकोण से देखा जाए तो जोधपुर जिले में विकास की काफी संभावनाएं विद्यमान है।

KEYWORDS:

कोविड-19 महामारी, नकारात्मक प्रभाव, पुनरुत्थान, पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन, सतत पर्यटन

परिचय–

जोधपुर हमेशा से विश्व मानचित्र पर एक पर्यटन केंद्र के रूप में प्रसिद्ध है। जोधपुर का गौरवशाली शानदार राठौड़ वंशीय इतिहास हो या प्राकृतिक सौंदर्य लिए हुए मरुस्थलीय स्थलाकृतियाँ हो या हस्तनिर्मित उत्कृष्ट वस्तुएं हो या स्वादिष्ट व्यंजन और रंग-बिरंगी संस्कृति हो शाही शादियों के आयोजन हेतु व फिल्मों की शूटिंग हेतु उपयुक्त लोकेशन हो, जोधपुर सर्वाधिक लोकप्रिय स्थान है । पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा जिला है अतः यह प्रशासनिक महत्व भी रखता है।

अध्ययन क्षेत्र :-

प्रस्तुत शोध पत्र में अध्ययन हेतु जोधपुर जिले का चुनाव किया गया है। जोधपुर राजस्थान राज्य का दूसरा सबसे बड़ा जिला है। राव जोधा ने 12 मई 1459 में आधुनिक जोधपुर की स्थापना की । जोधपुर जिले का अक्षांशीय विस्तार 26°00' N से 27°37' N तथा देशांतरीय विस्तार 72°55' E से 73°52' E है । समुद्र तल से जोधपुर की ऊँचाई 230 मीटर है । जोधपुर जिला पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध है। यह थार रेगिस्तान के बीच में अपने ढेरों शानदार महलों, दुर्गों, मंदिरों, उद्यानों हेतु सुप्रसिद्ध है । जोधपुर को किलो का शहर, मरुस्थल का प्रवेश द्वार, आफताब-ए-शहर, सूर्य नगरी, ब्लू सिटी, जोधाणा, मारवाड़ आदि अन्य नामों से भी जाना जाता है। जिले की भौगोलिक स्थिति, समृद्ध संस्कृति, गौरवपूर्ण इतिहास व स्थापत्य कला आदि देसी व विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है । विगत कुछ दशकों से जिले में विभिन्न आयामों जैसे:-परिवहन सुविधाओं, आवास सुविधाओं, जलपान सुविधाओं, बैंकिंग इंटरनेट सुविधाओं आदि का उचित विकास हुआ है जो पर्यटन को बढ़ावा देने में अत्यधिक उपयोगी है । जोधपुर जिले में पर्यटन के विकास की संभावनाएं विद्यमान है परंतु कोविड-19 महामारी ने पर्यटन उद्योग को भारी क्षति पहुंचाई है।

जोधपुर जिले के मुख्य दर्शनीय स्थल:-

मेहरानगढ़ दुर्ग

इस आलीशान किले की स्थापना 1459 में जोधपुर के तात्कालिक शासक राव जोधा द्वारा की गई । यह एक गिरी दुर्ग है । दुर्ग के भीतर मोती महल, फूल महल, शीश महल, सिलेह खाना, दौलत खाना, चामुंडा माता का मंदिर दर्शनीय है ।

जसवंत थड़ा

जोधपुर के महाराजा जसवंत सिंह द्वितीय की स्मृति में 1899 में सफेद संगमरमर से बना यह शाही स्मारकों का समूह है । यहां मारवाड़ के शासकों की वंशावली के बारे में संपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है ।

उम्मेद भवन पैलेस

जोधपुर के पूर्व महाराजा उम्मेद सिंह ने अकाल पीड़ित प्रजा को काम देने के उद्देश्य से इस पैलेस का निर्माण करवाया । छित्तर के पत्थरों से बने होने के कारण इसे छित्तर पैलेस कहा जाता है।

मंडोर

जोधपुर से 8 किलोमीटर दूर उद्यानों के बीच स्थित यह एक मनभावन भ्रमण स्थल है । मारवाड़ की प्राचीन राजधानी रहे मंडोर में जोधपुर के पूर्व शासकों के स्मारक हैं ।

कायलाना झील

यह एक प्राकृतिक झील है। जोधपुर निवासियों का लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी हैं । कायलाना झील का पानी पेयजल के रूप में इस्तेमाल किया जाता है ।

बालसमंद झील

बालसमंद झील का निर्माण 1159 में किया गया। झील के किनारे खड़ा भव्य ग्रीष्मकालीन महल सुंदर भविष्य गिरा हुआ है।

गिरदी कोट व सदर बाजार

शहर के बीच स्थित छोटी-छोटी दुकानों वाली पतली गलियों में रंग-बिरंगा बाजार जो हस्तशिल्प की विस्तृत किस्मों की वस्तुओं के लिए विश्व विख्यात है ।

महामंदिर

महा मंदिर का निर्माण 1812 में किया गया । यह 84 नक्काशी दार खंभों के कारण प्रसिद्ध है।

जोधपुर के आसपास के प्रमुख पर्यटन स्थल

ओसियाँ

ओसियाँ में सच्चाई माता का मंदिर, भगवान महावीर का मंदिर और सूर्य मंदिर आदि स्थित है । यहां डेजर्ट सफारी भी की जाती है ।

धवा

धवा में वन्य प्राणी उद्यान है । जहां भारतीय हिरण स्वेच्छा से विचरण करते हुए देखे जा सकते हैं । धवा गांव की जोधपुर से दूरी लगभग 45 किलोमीटर है ।

फलौदी-खींचन

फलौदी कलात्मक हवेलियों एवं मंदिरों के लिए मशहूर है। जोधपुर से इसकी दूरी 135 किलोमीटर है । फलौदी के पास छोटे से गांव खींचन में प्रत्येक वर्ष कुरजां पक्षी हजारों किलोमीटर दूर यात्रा कर सर्दियों में यहां आते हैं । यह क्षेत्र इको टूरिज्म के लिए बहुत ही उपयुक्त हैं ।

परिकल्पना:-

1. कोविड-19 महामारी ने जोधपुर जिले में पर्यटन उद्योग को हानि पहुंचाई है ।
2. सतत पर्यटन के विकास की आवश्यकता है ।

अध्ययन सामग्री व अध्ययन विधि:-

प्रस्तुत शोध पत्र में द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। द्वितीयक आंकड़ों का संकलन डायरी, पत्र-पत्रिकाओं, समाचार पत्र, पर्यटन विभाग राजस्थान और विभिन्न वेबसाइट व पुस्तकों के माध्यम से किया गया है । इस अध्ययन की प्रकृति विवरणात्मक है ।

परिणाम व चर्चा:-

राजस्थान पर्यटन विभाग के वार्षिक प्रतिवेदन से आंकड़े प्राप्त किए गए हैं। वर्ष 2018 से 2022 मे जोधपुर में आए कुल पर्यटक की संख्या के आंकड़े लिए गए हैं।

सारणी 1: जोधपुर में आए पर्यटक को की संख्या 2018 से 2021

वर्ष	देसी पर्यटकों की संख्या (लाख में)	विदेशी पर्यटकों की संख्या (लाख में)	कुल पर्यटकों की संख्या (लाख में)
2018	10.82	1.71	12.53
2019	10.80	1.60	12.4
2020	3.47	0.48	3.95
2021	7.58	0.03	7.61

स्रोत :- https://www.tourism.rajasthan.gov.in

आंकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि वर्ष 2018 और 2019 में पर्यटकों का आगमन काफी अच्छी संख्या में रहा । लेकिन वर्ष 2020 के प्रारंभ में हैं कोविड-19 का फैलाव शुरू हो गया इस कारण सरकार ने बीमारी के नियंत्रण हेतु लोग डाउन किया और इन विभिन्न लोग डाउन की अवधि मे नॉन एसेंशियल गतिविधियां बंद रहेगी जिसमें पर्यटन उद्योग भी सम्मिलित है यही कारण है कि वर्ष 2019 में कुल पर्यटकों की संख्या घटकर 3.95 रह गई।

पर्यटकों की संख्या में यह भारी गिरावट रही वर्ष 2021 में देखा जाए तो कोविड-19 महामारी पर कुछ नियंत्रण लगा तथा अन्य गतिविधियां सुचारू रूप से चलने लगी।जिस कारण से पर्यटकों के आगमन में भी वृद्धि हुई। वर्ष 2021 में 7.61 लाख पर्यटक को का आगमन जोधपुर में हुआ।

निष्कर्ष:-

यह कहना गलत नहीं होगा कि कोविड-19 महामारी ने विश्व को कुछ समय के लिए रोक दिया था । वैश्विक अर्थव्यवस्था, सामाजिक गतिविधियां, मनोरंजन-पर्यटन आदि को भारी नुकसान हुआ । इस हानि से जोधपुर का पर्यटन उद्योग भी अछूता नहीं रहा, इसे भी भारी नुकसान हुआ । परंतु प्रकृति एवं पर्यावरण के लिए कोविड-19 महामारी का फैलाव सकारात्मक रहा जैसे:- प्रदूषण का कम होना, अंधाधुन हो रहे प्राकृतिक संसाधनों का दोहन पर रोक, नदियों का साफ हो जाना आदि पर यह सकारात्मक परिणाम कुछ समय के लिए ही रहे । वर्तमान में इस बीमारी पर नियंत्रण हुआ है तथा विभिन्न गतिविधियां सुचारू रूप से चलने लगी है । लेकिन अब समय आ गया है कि हम सतत पर्यटन के विकास की ओर ध्यान दें। सतत पर्यटन के अंतर्गत पर्यटन का विकास इस प्रकार से किया जाता है जिससे पर्यावरण को कम से कम क्षति पहुंचे अर्थात पर्यावरण को संरक्षित और सुरक्षित करते हुए पर्यटन का विकास करना ही सतत पर्यटन है । सतत पर्यटन पर्यटन के विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन की बात करता है।

REFERENCES

1. https://ecotourism-org.translate.google
2. https://hindi.news18.com/new/rajasthan/jaipur-new-eco-tourism-policy-approved-tourism-and-employment-opportunities-will-increase-3651204
3. ignited.in/I/a/293301
4. https://www.rajras.in/rajasthan/tourism/eco/sites
5. https://forest. rajasthan.gov.in
6. https://hindi.nativeplanet.com/jodhpur
7. https://zeenews.india.com/hindi/india/rajasthan/jaipur/new-eco-tourism-policy-2021-in-rajasthan-know-how-tourism-industry-will-get-a-boost-from-this/937930
8. शर्मा प्रो. एच एस, राजस्थान का भूगोल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
9. सक्सेना डॉ. हरि मोहन,राजस्थान का भूगोल, हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर